Shodhshauryam, International Scientific Refereed Research Journal
© 2021 SHISRRJ | Volume 4 | Issue 1 | ISSN : 2581- 6306

पारिवारिक वातावरण के सन्दर्भ में माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन

डॉ0 प्रेमचन्द्र यादव
एसोसिएट प्रोफेसर
शिक्षक–प्रशिक्षण विभाग
गाँधी स्मारक पी0जी0 कालेज, मालटारी, आजमगढ़ (उ0प्र0)

विनय प्रकाश यादव
एम0एड्0, नेट (शिक्षाशास्त्र)
शोध–छात्र (शिक्षाशास्त्र) शोध–केन्द्र
गाँधी स्मारक पी0जी0 कालेज, मालटारी, आजमगढ़ (उ0प्र0)
वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल वि0वि0 जौनपुर (उ0प्र0)

Article Info
Volume 4, Issue 1
Page Number : 46-54

Publication Issue :
January-February-2021

Article History
Accepted : 16 Jan 2021
Published : 30 Jan 2021

सारांश – प्रस्तुत अध्ययन का शीर्षक ''पारिवारिक वातावरण के सन्दर्भ में माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन'' है। उद्देश्य के रूप में लिंग के आधार पर प्रभाव को जानने का प्रयास किया गया है। प्रस्तुत शैक्षिक शोध में वर्णनात्मक अनुसंधान के अन्तर्गत सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। जौनपुर जनपद में स्थित यू0पी0 बोर्ड से सम्बद्ध माध्यमिक विद्यालयों के सभी छात्र–छात्राओं को प्रस्तुत अध्ययन के परिणामों के सामान्यीकरण हेतु जनसंख्या माना गया है। जौनपुर जनपद में स्थित यू0पी0 बोर्ड से सम्बद्ध माध्यमिक स्तर के दो विद्यालयों का आकस्मिक न्यादर्शन विधि द्वारा चयन किया गया है। पुनः प्रत्येक विद्यालय से 25–25 विद्यार्थियों का चयन किया गया है जिसमें इस प्रकार कुल 50 छात्र एवं 50 छात्राओं का चयन यादृच्छिक न्यादर्श विधि से किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन में माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण को मापने के लिए डॉ0 बीना शाह (प्रोफेसर एवं हेड), इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांसड् स्टडीज इन एजूकेशन, एम.जे.पी. रूलेहखण्ड यूनिवर्सिटी, बरेली द्वारा निर्मित 'फैमिली क्लाइमेट स्केल' तथा शैक्षिक उपलब्धि के रूप में विद्यार्थियों के कक्षा–10 की परीक्षा में प्राप्त प्राप्तांक को सम्मिलित किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन में आँकड़ों के विश्लेषण एवं उनकी व्याख्या हेतु टी–अनुपात एवं एनोवा (प्रसरण) सांख्यिकी विधियों का प्रयोग किया गया है। अध्ययन के निष्कर्ष में पाया गया कि लिंग के आधार पर पारिवारिक वातावरण का प्रभाव सम्पूर्ण विद्यार्थियों, छात्रों एवं छात्राओं पर सार्थक रूप से पड़ता है।

की–वर्ड – पारिवारिक वातावरण, माध्यमिक स्तर, छात्र–छात्राएँ, शैक्षिक उपलब्धि।

Copyright: © the author(s), publisher and licensee Technoscience Academy. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution Non-Commercial License, which permits unrestricted non-commercial use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited

प्रस्तावना– परिवार, बालक का प्रथम पाठशाला है, परिवार में बालक के छोटे, बड़े भाई, बहिन एवं माता, पिता, चाचा, चाची होते है। जिनके आचार– विचार, व्यवहार का प्रभाव बालकों की शिक्षा पर पड़ता है, परिवार में बालक की आदतों का निर्माण होता है, उसके व्यक्तित्व का विकास होता है, परिवार से ही उसका समाजीकरण प्रारम्भ होता है, परिवार में रहकर ही बालक के चरित्र का निर्माण होता है तथा उसके सामाजिक गुणों का अभ्युदय होता है।

परिवार के स्नेहपूर्ण वातावरण से प्रभावित होते हुए वह अपने परिवार की भाषा, सांस्कृतिक वेश–भूषा, आचार–विचार, आहार–विचार तथा रुचियों का स्वाभाविक रूप से ग्रहण कर लेता है। इस प्रकार पारिवारिक शिक्षा बालक के व्यक्तित्व की ऐसी आधारशिला बन जाती है जिसमें वह जीवन– पर्यन्त कभी नहीं भूलता। चूँकि प्रत्येक परिवार के प्रभाव अलग–अलग होते हैं, इसलिए एक बालक दूसरे बालकों से विभिन्न होता है। **रेमण्ड** ने ठीक ही लिखा है– ''दो बालक एक ही स्कूल में भले ही पढ़ते हो, एक से ही शिक्षकों से प्रभावित होते हों, एक साथ अध्ययन करते हों, फिर भी सामान्य ज्ञान, रुचियों, भाषा व्यवहार तथा नैतिकता ने अपने–अपने अलग–अलग पारिवारिक वातावरण के कारण, जहाँ से आते है पूर्णतया भिन्न होते है।''

शिक्षा जगत में परिवार अनौपचारिक साधन के रूप में प्राथमिक पाठशाला का स्थान उसी समय से ग्रहण करता चला आ रहा है, जब से संसार में मानव जीवन के अस्तित्व की कल्पना की जा सकती है। बालक की शिक्षा की श्रीगणेश परिवार में ही होता है। परिवार में माता अपने बालक की शिक्षा का प्रथम स्त्रोत होती है। माता रूपी गुरु के द्वारा प्रेमपूर्वक प्राप्त की हुई शिक्षा को बालक कभी नहीं भूलता। उसके व्यक्तित्व पर इसी शिक्षा की अमिट छाप लग जाती है। यही कारण है कि विभिन्न शिक्षाशास्त्रियों ने बालक की शिक्षा में परिवार की मुक्त कण्ठ से प्रशंसा करते हुए उसके महत्त्व का अनेक प्रकार गुणगान किया है।

पेस्टालॉजी का विचार है कि, शिक्षा का आयोजन उसकी माता के प्यार भरे वातावरण में हुआ था। अतः उसने पारिवारिक वातावरण में प्राप्त की हुई शिक्षा को सर्वोत्तम मानते हुए लिखा है– ''परिवार– प्यार तथा स्नेह का केन्द्र, शिक्षा का सर्वोत्तम स्थान तथा बालक का प्रथम स्कूल है।''

उपर्युक्त विचारों के विचारों से परिवार की शिक्षा का महत्त्व स्पष्ट हो जाता है। प्राचीन भारत में भी परिवार सामाजिक–आर्थिक तथा धार्मिक सभी प्रकार की शिक्षा का केन्द्र था। छत्रपति शिवाजी में वीरता के गुण उसकी माता जीजाबाई ने ही भरे थे। गाँधी जी की नैतिक तथा धार्मिक शिक्षा उनकी माता के ही द्वारा प्रदान की गई थी। इसी शिक्षा के कारण गाँधी जी जी के उज्ज्वल चरित्र का निर्माण हुआ जिसके परिणामस्वरूप वह एक महान व्यक्ति एवं राष्ट्रपिता कहलाये। रामायण, गीता, महाभारत एवं वेदों में भी परिवार के महत्त्व का गुणगान किया गया है। राम, लक्ष्मण, भरत तथा शत्रुघ्न एवं सीता में प्रेम, त्याग, सहनशीलता एवं बंधुत्व की भावनाओं को माताओं ने ही विकसित किया था। संक्षेप में कहा जा सकता है कि बालक की शिक्षा में परिवार के वातावरण का महत्त्वपूर्ण स्थान है।

प्रस्तुत अध्ययन में माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की पारिवारिक वातावरण का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन का अध्ययन किया गया है। जहाँ तक पारिवारिक वातावरण का प्रश्न है तो पारिवारिक वातावरण ही बच्चों के शारीरिक, मानसिक, नैतिक, आध्यात्मिक के साथ–साथ शैक्षिक कार्यों पर सार्थक प्रभाव डालता है। जैसा कि वर्तमान समय में अंग्रेजी माध्यम का प्रचलन अधिक बढ़ गया है वहीं सभी माता–पिता अपने बच्चों के शिक्षा के लिए जागरूक हो चुके है और वे अपने बच्चों को अच्छी से अच्छी शिक्षा व्यवस्था कर रहे है एवं उन्हें शैक्षिक कार्यों में आने वाले बाधाओं को अपने भरसक हटाने तथा उन्हें एक अच्छी शिक्षा व्यवस्था का दिलाने का प्रयास कर रहे है। कुछ शोधों से इंगित होता है कि पारिवारिक वातावरण का बच्चों के शैक्षिक कार्यों पर सार्थक एवं सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। **ताज (1999).** ने अपने अध्ययन में इंगित किया कि माता–पिता तथा बालकों के मध्य अर्न्तसम्बन्धों का शैक्षिक निष्पत्ति पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है। **इलिगविलियि और अकोडा (2001)** ने ने अपने अध्ययन में इंगित किया कि पिता की उपस्थिति तथा अनुपस्थिति का विद्यार्थियों की गणित तथा अंग्रेजी भाषा की निष्पत्ति पर प्रभावी

अंतर पड़ता है। **बॉरवरा (2001)** ने ने अपने अध्ययन में इंगित किया कि साक्षर माता–पिताओं के बच्चों की शैक्षिक उपलब्धि उच्च रहती है। तथा यह भी तथ्य प्राप्त किया गया कि अशिक्षित माता–पिता अपने व्यस्त कार्यक्रमों के कारण अपने बच्चों की शिक्षा के प्रति जागरुक नहीं हैं। **अनोला और नुरमी (2004)** ने अपने अध्ययन में इंगित किया कि माताओं का अपने बच्चों पर सख्त उनके गणित विषय में निष्पत्ति को कम कर देता है। **हारग्रोव, इंमान तथा क्रेन (2005)** ने अपने अध्ययन में इंगित किया कि पारिवारिक सम्बन्ध (उस अंश तक, कि जिस सीमा तक परिवार के सदस्य अपनी भावनाओं और समस्याओं को व्यक्त करने क लिए प्रोत्साहित किये जाते हैं) किशोरों के कैरियर निर्धारण तथा उसकी योजना बनाने में सूक्ष्म किंतु शक्तिशाली भूमिका अदा करते हैं। **केन, पामेला ई. डेविस (2005)** ने अपने अध्ययन में इंगित किया कि अभिभावक के शैक्षणिक क्षमता का बच्चों के शैक्षिक उपलब्धि से सम्बन्धा पाया गया जबकि अप्रत्यक्ष रूप से अभिभावक से उम्मीद एवं अभिभावक व्यवहार का भी प्रभाव पाया गया। **अरडन, सोलेक और स्कोइनफेल्डर (2007)** ने सांस्कृतिक कारकों पीढ़ीगत स्तर, मूल देश के अनुसार परिवार के प्रभाव का अभिप्रेरणा स्तर तथा उपलब्धि स्तर पर भिन्न प्रभाव पड़ता है। **दौलता, मीना (2008)** ने अपने अध्ययन में इंगित किया कि विद्यार्थियों के अच्छे पारिवारिक वातावरण का उनके विद्यालयी उपलब्धि के मध्य सार्थक एवं धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया। **सिंह, कुँवर आनन्द (2008).** ने अपने अध्ययन में इंगित किया कि छात्रों के गणित विषय की निष्पत्ति पर उनके ''घर के वातावरण तथा आयोजन'' एवं ''एकाग्रता की आदत'' का प्रभाव पड़ता है। **सिंह, सजीव (2008).** ने अपने अध्ययन में इंगित किया कि पिताओं द्वारा उच्च एवं निम्न एकाग्रता पारिवारिक सम्बन्धों की छात्राओं की बुद्धि में अन्तर है तथा अच्छे पारिवारिक (स्वीकृति) सम्बन्ध किशोरों के मानसिक विकास में प्रभावी भूमिका निभाते हैं। **सिंह, नीलम (2013).** ने अपने अध्ययन में इंगित किया कि उच्च पारिवारिक वातावरण वाले छात्रों की बुद्धिलब्धि निम्न पारिवारिक वातावरण वाले छात्रों की बुद्धिलब्धि से अधिक होती है। **एगुनसोला (2014)** ने ने अपने अध्ययन में इंगित किया कि माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् कृषि विज्ञान के विद्यार्थियों के अभिभावकों के शैक्षणिक योग्यता, व्यवसाय एवं गृह–स्थिति का उनके शैक्षिक उपलब्धि के मध्य धनात्मक एवं सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया। **कुमार एवं लता (2014)** ने अपने अध्ययन में इंगित किया कि किशोरों के उच्च अनुभव एवं स्वस्थ पारिवारिक वातावरण के किशोरों की शैक्षिक उपलब्धि निम्न पारिवारिक वातावरण की अपेक्षा उच्च पाया गया। **युनुस एवं बाबा (2014)** ने अपने अध्ययन में इंगित किया कि विद्यालयी वातावरण एवं पारिवारिक वातावरणका विद्यार्थियों के खराब शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव डालता है। **आर.ई. ईला (2015)** ने अपने अध्ययन में इंगित किया कि सरकारी माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के परिवार आकार का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर सार्थक प्रभाव पाया गया। **कमुती, मुसीली, जेरोमे (2015).** ने अपने अध्ययन में इंगित किया कि अभिभावक के आर्थिक स्थिति का विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि पर सार्थक प्रभाव पाया गया। जिस बच्चे की फीस एवं अधिक सामग्री सही समय पर उपलब्ध कराई जाती है उनकी शैक्षिक उपलब्धि उच्च पायी गयी।

अतः अन्य शोधों के निष्कर्षों से ज्ञात होता है कि माध्यमिक स्तर पर छात्र–छात्राओं के जीवन में पारिवारिक वातावरण का विशेष महत्त्व है जहाँ उच्च पारिवारिक वातावरण होती है तो वहाँ छात्र–छात्राओं के शारीरिक, मानसिक के साथ–साथ उनके शैक्षिक उपलब्धि पर सार्थक एवं धनात्मक प्रभाव पड़ता है वहीं दूसरी ओर जहाँ पारिवारिक वातावरण निम्न या मध्यम पायी जाती है तो वहीं छात्र/छात्राओं के बुद्धिलब्धि, रूचि, शैक्षिक अभिप्रेरणा, मानसिक स्वास्थ्य, शैक्षिक उपलब्धि मध्यम एवं निम्न पाया जाना स्वाभाविक है।

समस्या कथन–

''पारिवारिक वातावरण के सन्दर्भ में माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन''।

अध्ययन का उद्देश्य–

प्रस्तुत अध्ययन में निम्नलिखित उद्देश्यों का अध्ययन किया गया है–

1. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।
2. माध्यमिक स्तर के छात्रों के पारिवारिक वातावरण का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।
3. माध्यमिक स्तर के छात्राओं की पारिवारिक वातावरण का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पनाएँ–

प्रस्तुत अध्ययन की शून्य परिकल्पना निम्नवत है–

1. माध्यमिक स्तर के उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि में अन्तर नहीं है।
2. माध्यमिक स्तर के उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले छात्रों के शैक्षिक उपलब्धि में अन्तर नहीं है।
3. माध्यमिक स्तर के उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में अन्तर नहीं है।

प्रस्तुत अध्ययन की विधि–

प्रस्तुत शैक्षिक शोध में वर्णनात्मक अनुसंधान के अन्तर्गत सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

जनसंख्या

जौनपुर जनपद में स्थित यू0पी0 बोर्ड से सम्बद्ध माध्यमिक विद्यालयों के सभी छात्र–छात्राओं को प्रस्तुत अध्ययन के परिणामों के सामान्यीकरण हेतु जनसंख्या माना गया है।

न्यादर्श

जौनपुर जनपद में स्थित यू0पी0 बोर्ड से सम्बद्ध माध्यमिक स्तर के दो विद्यालयों का आकस्मिक न्यादर्शन विधि द्वारा चयन किया गया है। पुनः प्रत्येक विद्यालय से 25–25 विद्यार्थियों का चयन किया गया है जिसमें इस प्रकार कुल 50 छात्र एवं 50 छात्राओं का चयन यादृच्छिक न्यादर्श विधि से किया गया है।

शोध में प्रयुक्त उपकरण

प्रस्तुत अध्ययन में माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं के पारिवारिक वातावरण को मापने के लिए डॉ0 बीना शाह (प्रोफेसर एवं हेड), इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांसड् स्टडीज इन एजूकेशन, एम.जे.पी. रूलेहखण्ड यूनिवर्सिटी, बरेली द्वारा निर्मित 'फैमिली क्लाइमेट स्केल' का प्रयोग किया गया है।

शैक्षिक उपलब्धि–

शोधकर्त्ता द्वारा के शैक्षिक उपलब्धि के रूप में विद्यार्थियों के कक्षा–10 की परीक्षा में प्राप्त प्राप्तांक को सम्मिलित किया गया है।

प्रयुक्त सांख्यिकी विधियाँ–

प्रस्तुत अध्ययन में आँकड़ों के विश्लेषण एवं उनकी व्याख्या हेतु टी–अनुपात एवं एनोवा (प्रसरण) सांख्यिकी विधियों का प्रयोग किया गया है।

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या–

उद्देश्य–1 माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन

H_1 माध्यमिक स्तर के उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में अन्तर है।

H_{01} माध्यमिक स्तर के उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में अन्तर नहीं है।

सारणी सं0 –4.1

माध्यमिक स्तर के उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में अन्तर को दर्शाते हुए एफ–अनुपात

स्रोत	df	SS	MS	F	सारणी मान
समूहों के मध्य	2	61351.65	30675.82	42.21*	F.05(2,97)=3.09
समूहों के अन्दर	149	108297.19	726.83		
कुल	**151**	**169648.84**	**31402.65**		

*.05 स्तर पर सार्थक

सारणी संख्या 1 के अवलोकन से स्पष्ट है कि एफ–अनुपात का मान 42.21 हैं, जो .05 सार्थकता स्तर पर df =2, 97 पर सारणी मान 3.09 से अधिक है। अतः शून्य परिकल्पना निरस्त की जाती है। इस सार्थक एफ अनुपात के आधार पर कहा जा सकता है कि माध्यमिक स्तर के उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में भिन्नता है।

सारणी सं0 – 1.1

माध्यमिक स्तर के उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्यमानों के अन्तर का टी–अनुपात

क्र.सं.	चर	न्यादर्श (N)	मध्यमान (M)	σ_D	D	t-मान	सार्थक / असार्थक
1.	उच्च	32	79.25	6.33	13.85	2.19	सार्थक
	मध्यम	42	65.40				
2.	उच्च	32	79.25	7.12	24.13	3.39	सार्थक
	निम्न	26	55.12				
3.	मध्यम	42	65.40	6.73	10.29	1.53	असार्थक
	निम्न	26	55.12				

सारणी संख्या 1.1 के अवलोकन से स्पष्ट है कि माध्यमिक स्तर के उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्यमानों के मध्य टी–मान क्रमशः 2.19, 3.39 एवं 1.53 है।

सार्थक युग्म तुलना से यह स्पष्ट हैं कि उच्च पारिवारिक वातावरण वाले छात्र–छात्राएँ मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि अधिक है। सारणी से स्पष्ट हैं कि उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एक–दूसरे से भिन्न है। जबकि मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में समानता है।

अतः निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि उच्च, मध्यम एवं निम्न आत्म– सम्प्रत्यय वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में भिन्नता है अर्थात् आत्म– सम्प्रत्यय का विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करता है।

उद्देश्य–2 माध्यमिक स्तर के छात्रों के पारिवारिक वातावरण का का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन

H_2 माध्यमिक स्तर के उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि में अन्तर है।

H_{02} माध्यमिक स्तर के उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि में अन्तर नहीं है।

सारणी सं0 –2

माध्यमिक स्तर के उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि में अन्तर को दर्शाते हुए एफ–अनुपात

स्रोत	df	SS	MS	F	सारणी मान
समूहों के मध्य	2	2891.76	1445.88	18.42*	F.05(2,47)=3.21
समूहों के अन्दर	47	3688.74	78.48		
कुल	**49**	**6580.50**	**1524.36**		

*.05 स्तर पर सार्थक

सारणी संख्या 2 के अवलोकन से स्पष्ट है कि एफ–अनुपात का मान 18.42 हैं, जो .05 सार्थकता स्तर पर df =2, 47 पर सारणी मान 3.09 से अधिक है। अतः शून्य परिकल्पना निरस्त की जाती है। इस सार्थक एफ अनुपात के आधार पर कहा जा सकता है कि माध्यमिक स्तर के उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि में भिन्नता है।

सारणी सं0 – 2.1

माध्यमिक स्तर के उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्यमानों के अन्तर का टी–अनुपात

क्र.सं.	चर	न्यादर्श (N)	मध्यमान (M)	σ_D	D	t-मान	परिणाम
1.	उच्च	17	77.71	3.00	10.32	3.44	सार्थक
	मध्यम	18	67.39				
2.	उच्च	17	77.71	3.14	18.97	6.05	सार्थक
	निम्न	15	58.73				
3.	मध्यम	18	67.39	3.10	8.66	2.79	सार्थक

	निम्न	15	58.73				

सारणी संख्या 2.1 के अवलोकन से स्पष्ट है कि माध्यमिक स्तर के उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्यमानों के मध्य टी–मान क्रमशः 3.44, 6.05 एवं 2.79 है। सार्थक युग्म तुलना से यह स्पष्ट हैं कि उच्च पारिवारिक वातावरण वाले छात्र–छात्राएँ मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि अधिक है। सारणी से स्पष्ट हैं कि उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि एक–दूसरे से भिन्न है।

अतः निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि उच्च, मध्यम एवं निम्न आत्म– सम्प्रत्यय वाले छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि में भिन्नता है अर्थात् आत्म– सम्प्रत्यय का छात्रों के शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करता है।

उद्देश्य–3 माध्यमिक स्तर के छात्राओं के पारिवारिक वातावरण का का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन

H_3 माध्यमिक स्तर के उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में अन्तर है।

H_{03} माध्यमिक स्तर के उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में अन्तर नहीं है।

सारणी सं0 –3

माध्यमिक स्तर के उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में अन्तर को दर्शाते हुए एफ–अनुपात

स्रोत	df	SS	MS	F	सारणी मान
समूहों के मध्य	2	5739.91	2869.95	19.22*	F.05(2,47)=3.21
समूहों के अन्दर	48	7166.25	149.30		
कुल	**50**	**12906.16**	**3019.25**		

*.05 स्तर पर सार्थक

सारणी संख्या 3 के अवलोकन से स्पष्ट है कि एफ–अनुपात का मान 19.22 हैं, जो .05 सार्थकता स्तर पर df =2, 47 पर सारणी मान 3.21 से अधिक है। अतः शून्य परिकल्पना निरस्त की जाती है। इस सार्थक एफ अनुपात के आधार पर कहा जा सकता है कि माध्यमिक स्तर के उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में भिन्नता है।

सारणी सं0 – 3.1

माध्यमिक स्तर के उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि के मध्यमानों के अन्तर का टी–अनुपात

क्र.सं.	चर	न्यादर्श (N)	मध्यमान (M)	σ_D	D	t-मान	सार्थक / असार्थक
1.	उच्च	14	81.50	4.22	20.60	4.89	सार्थक
	मध्यम	21	60.90				
2.	उच्च	14	81.50	4.47	26.44	5.91	सार्थक
	निम्न	16	55.06				
3.	मध्यम	21	60.90	4.05	5.84	1.44	असार्थक
	निम्न	16	55.06				

सारणी संख्या 3.1 के अवलोकन से स्पष्ट है कि माध्यमिक स्तर के उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि के मध्यमानों के मध्य टी–मान क्रमशः 4.89, 5.91 एवं 1.44 है। सार्थक युग्म तुलना से यह स्पष्ट हैं कि उच्च पारिवारिक वातावरण वाले छात्र–छात्राएँ मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि अधिक है। सारणी से स्पष्ट हैं कि उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि एक–दूसरे से भिन्न है। जबकि मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि एक–दूसरे के बराबर है।

अतः निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि उच्च, मध्यम एवं निम्न आत्म– सम्प्रत्यय वाले छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में भिन्नता है अर्थात् आत्म– सम्प्रत्यय का छात्राओं के शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करता है।

निष्कर्ष

वर्तमान शोध अध्ययन के निष्कर्ष निम्नलिखित हैं–

1. माध्यमिक स्तर के उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में अन्तर है अर्थात् विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव है।
2. माध्यमिक स्तर के उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि में अन्तर है अर्थात् छात्रों के पारिवारिक वातावरण का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव है।
3. माध्यमिक स्तर के उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाली छात्रात्रों की शैक्षिक उपलब्धि में अन्तर है अर्थात् छात्राओं के पारिवारिक वातावरण का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव है।

परिणाम–

विद्यार्थी जीवन में पारिवारिक वातावरण की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। प्राप्त शोध निष्कर्षों में उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण के विद्यार्थी, छात्र, छात्राओं, आरक्षित, अनारक्षित, कला, विज्ञान एवं वाणिज्य वर्ग के विद्यार्थियों में अन्तर पाया गया जो सिद्ध करता है कि विद्यार्थी की शिक्षा–दीक्षा में परिवार, माता–पिता एवं अभिभावकों का महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। जैसा कि कुछ शोध भी इंगित होते है। **मुद्गल, बी0एस0 एवं भूषण,**

ललित (2012) ने यह पाया गया कि सामान्य और पिछड़ी जाति वर्ग के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि अपने समकक्ष अनुसूचित जाति के छात्रों से बेहतर थी। **देशवाल, वाई0एस0; रेखारानी एवं अहलावत, सविता (2014)** ने निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त हुये– 11वीं कक्षा के ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के घर के परिवेश में औसत स्कोर के बीच महत्त्वपूर्ण अन्तर है। **सिंह, अमरवीर एवं सिंह, जयपाल (2014)** ने अध्ययन से निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त हुये– उच्च स्थिति वाले परिवारों के छात्रों की उपलब्धि का औसत अंक, निम्न स्थिति वाले छात्रों से अधिक पायी गयी। **भरत, एच0 मिमरोट (2016)** ने अध्ययन में पाया कि निजी स्कूलों के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि का स्तर सरकारी स्कूल के छात्रों से उच्च है।

पारिवारिक सम्बन्ध अगर अच्छे है तो बच्चों को समायोजन क्षमता बुद्धिस्तर अच्छे होगें अधिकतर शिक्षाशास्त्रियों ने यह स्वीकार किया कि कई बातें बच्चों को प्रभावित करती है। कुछ का मानना है कि बच्चे माता–पिता से बहुत प्रभावित होते है। विद्यालय बालक–बालिकाओं को मधुर सम्बन्ध बनाने के लिए प्रेरित कर सकता है तथा साथ ही पारिवारिक सदस्यों को भी मधुर सम्बन्ध बनाए रखने के लिए आग्रह कर सकता है यह सम्बन्ध बालकों के बौद्धिक विकास एवं समायोजन क्षमता में सहायक होगा।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- **एगुनसोना, ए.ओ.ई. (2014).** इन्फ्लुऐन्स होम इन्वायर्मेन्ट ऑफ ऐकेडमिक एचिवमेन्ट परफार्मेन्स ऑफ सेकेण्डरी स्कूल स्टूडेन्ट्स इन एग्रीकल्चर साइंस इन अदमवा स्टेट नाइजीरिया, आई.ओ.एस.आर. जर्नल ऑफ रिसर्च एण्ड मेथेड इन एजुकेशन, वाल्यूम–14, इश्शू–4, वर्जन–II, पृ0 46–53, www.iosrjournals.org
- **एनगुर, बेगुम (2017).** पैरेन्ट्स विथ् साइकोसिस : इम्पैक्ट ऑफ पैरेन्टिंग एण्ड पैरेन्ट–चाइल्ड रिलेशनशिप. जर्नल ऑफ चाइल्ड एण्ड एडोल्वसेन्ट बिहैवियर. वाल्यूम–5, इश्शू 1, पृ0 1–4
- **एस0जे0 थीमन, के0डी0 मान्येकी तथ एम0 थान्गेनी** : ''साउथ अफ्रीका के ग्रामीण छात्रों के स्वास्थ्य (पोषण). एवं शैक्षिक निष्पत्ति (गणित तथा अंग्रेजी) के मध्य सम्बन्ध का अध्ययन,'' इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ एजूकेशनल डेवलपमेंट, वाल्यूम–23, नं0 6, पृ0 637–643।
- **कमुती, मुसीली, जेरोमे (2015).** इन्फ्लुऐन्स ऑफ होम इन्वायर्मेन्ट ऑन ऐकेडमी परफार्मेन्स ऑफ स्टूडेन्ट्स इन पब्लिक सेकेण्डरी स्कूल्स इन केटुई वेस्ट सब कन्ट्री केटुई कन्ट्री केन्या, साउथ इर्स्टन केन्या यूनिवर्सिटी।
- **कुमार, राजेश एवं लाल, रोशन (2014).** स्टडी ऑफ ऐकेडमी एचीवमेन्ट इन रिलेशन टू फैमिली इन्वायर्मेन्ट एमंग एडाल्वसेन्स, द इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ इडिण्यन साइकोलॉजी, वाल्यूम–2, इश्शू–1, www.ijip.in
- **गुप्ता, एस0 पी0 (2009).** *आधुनिक मापन एवं मूल्यांकन,* इलाहाबाद : शारदा पुस्तक भवन।
- **गुप्ता, सुबोध एवं बाला, ज्ञान (2008).** ''कैरियर एण्ड फैमिली वैल्यूज ऑफ ग्रेजुएट गर्ल्स : ए स्टडी'', द जनरल ऑफ एजुकेशन, अंक 4(2). पृ0 39–41
- **दौलता, रानी (2008).** इम्पैक्ट ऑफ होम इन्वायर्मेन्ट ऑन द स्कूलिस्टिक एचिवमेन्ट ऑफ चिल्ड्रेन, जे. हुम. इकोल., 23(1). पृ0 75–77
- **युनुस, शफा ए. एवं बाबा, सैमुएल, लराबा (2014).** इफेक्ट ऑफ फैमिली इन्वायर्मेन्ट ऑफ स्टूडेन्ट्स ऐकेडमी परफार्मेन्स एण्ड एडजेस्टमेन्ट प्रॉब्लम इन स्कूल, जर्नल ऑफ एजुकेशन एण्ड प्रैक्टिस, वाल्यूम–5, इश्शू–19, पृ0 96–101, www.iiste.org
- **सीमा एवं सिम्पलजीत (2017).** रिलेशनशिप ऑफ पैरेन्टल बर्नआउट विथ् पैरेन्टल स्ट्रेस एण्ड पर्सनालिटी एमंग पैरेन्ट्स ऑफ नियोनेट्स विथ् हाइपरबिलरूबिनिमिया. द इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ इण्डियन साइकोलॉजी. वाल्यूम–4, इश्शू–2, नृ0 92, पृ0 102–111